रंगमोहल चारों ओर की शोभा

वन की नहरें

&

माणिक पहाड़ की हद में बड़ो वन, मधु वन & महा वन

परिकरमा 5

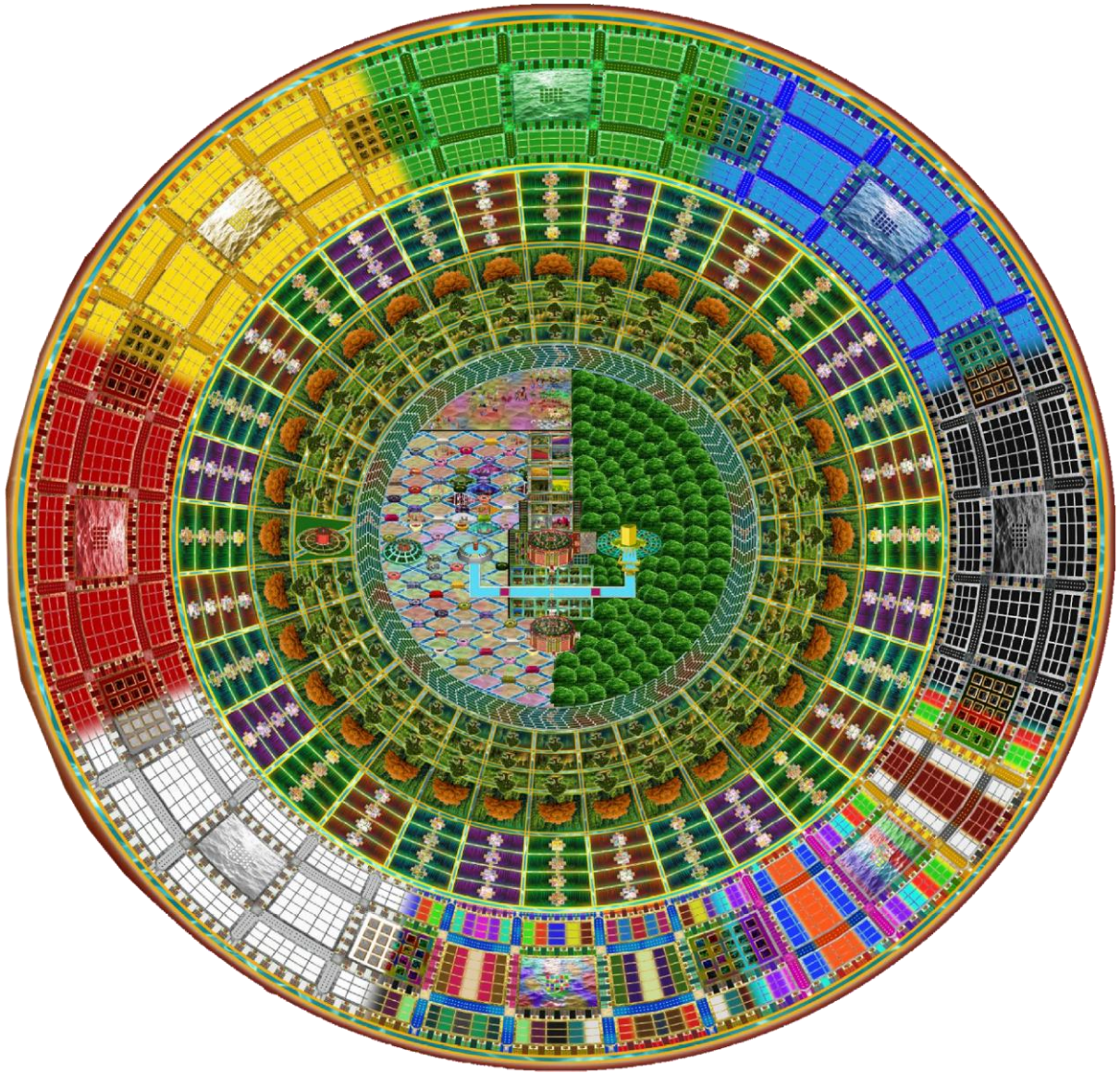

वन की नहरें की शोभा
&
माणिक पहाड़ की हद में
बड़ो वन, मधु वन & महा वन

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

परमधाम विहार
परिकरमा 5

शुक्ल पक्ष (सुद)	
दसवी	वन की नहरें

बन छाया है मोहोल जो, इत मोहोल बने बन के।
जानो सोभा सब से अतंत है, सब सुख लेती रूहें ए ।।९

जहाँ राज रमत हैं , बन की जो मोहलात।
अत सुंदर सोभा देत है, सो क्यों कर कहों विख्यात।।

बड़ो वन, मधु वन & महा वन
वन की नहरें

- माणिक पहाड़ की हद में बड़ो वन, मधु वन & महा वन
  2 करोड़ 36 लाख , 50 हजार कोस की चौदाई
  - बड़ों वन – 1 भोम (12,000 भोम), 48 हजार कोस ऊचाई
  - मधु वन – 2 भोम (24,000 भोम), 96 हजार कोस ऊचाई
  - महा वन – 4 भोम (48,000 भोम), 1 करोड़ 92 लाख कोस ऊचाई

- वन की नहरें: 5 भोम (60,000 भोम), 32 हांस , 2 करोड़ 40 लाख कोस ऊचाई
  1 करोड़ कोस की चौदाई
  - चौक : 1200 कोस लंबा चौडा
    - बड़ी नहेरें (400 कोस) & बड़े चेहबच्चे
      - नहेरे : 200 कोस
      - रोंस (2) & फुलवाड़ी : 33 कोस
    - बगीचे
      - नहेरे
      - चेहबच्चे/कुण्ड
      - वृक्षों – 1 भोम
    - चबूतरा – 400 कोस लंबा चौडा
      - पेड़ : 5 भोम (60,000 भोम)
        - थड़ - 1 भोम
          - दरवाजा
          - सीडियाँ
        - वृक्ष, फूल & पत्तों की हवेली : 4 भोम थड़ पर
          - महल , मंदिर , कोठरियाँ
          - बगीचे, नहरें, चहबच्चे, थंभ, चबूतरा
          - 6th चादनी : बेठक

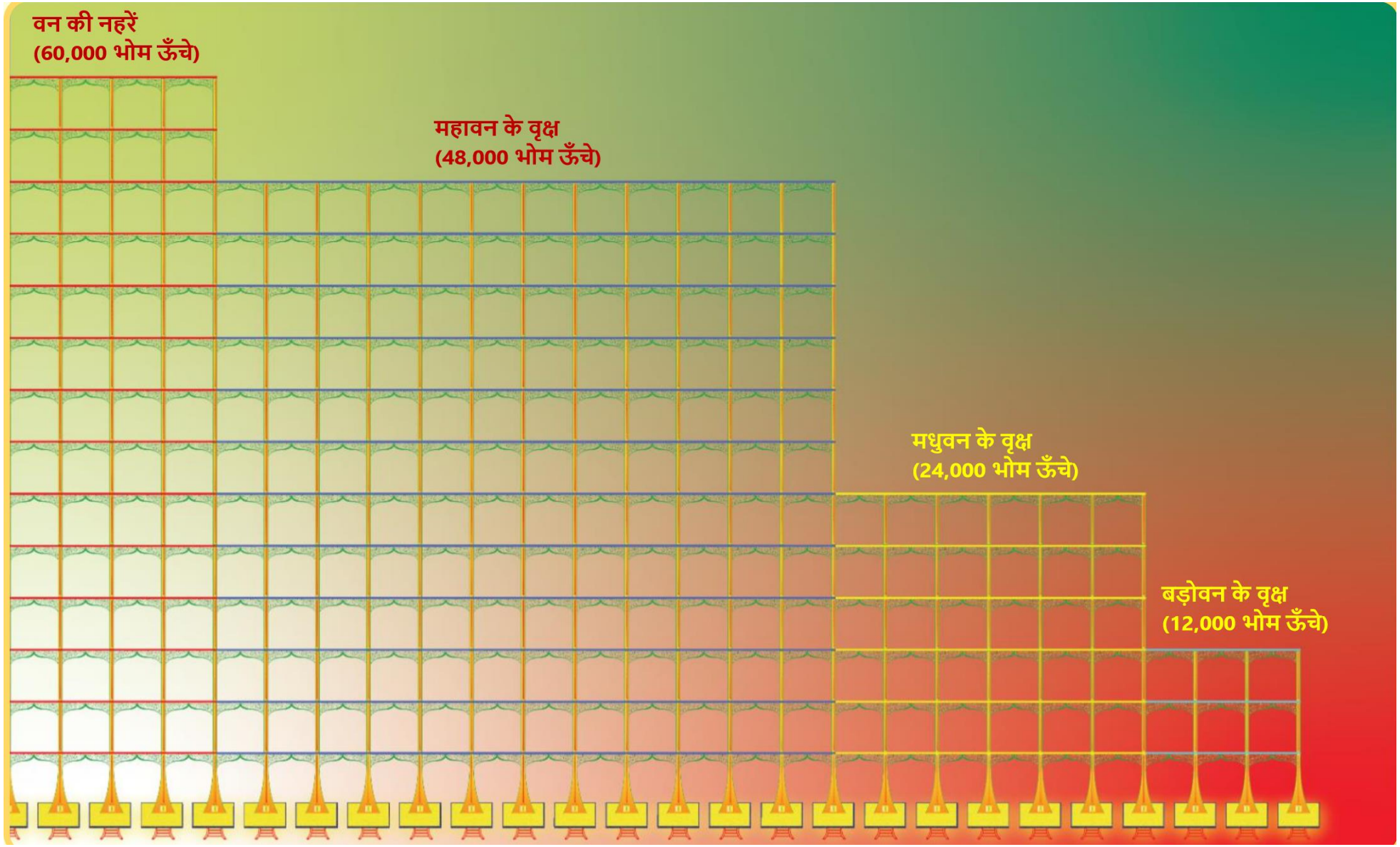
वन की नहरें
(60,000 भोम ऊँचे)
महावन के वृक्ष
(48,000 भोम ऊँचे)
मधुवन के वृक्ष
(24,000 भोम ऊँचे)
बड़ोवन के वृक्ष
(12,000 भोम ऊँचे)

माणिक पहाड़ की हद में बड़ो वन, मधु वन & महा वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

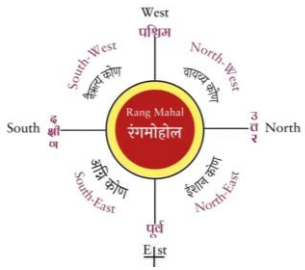

माणिक पहाड़ की हद में बड़ो वन, मधु वन & महा वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

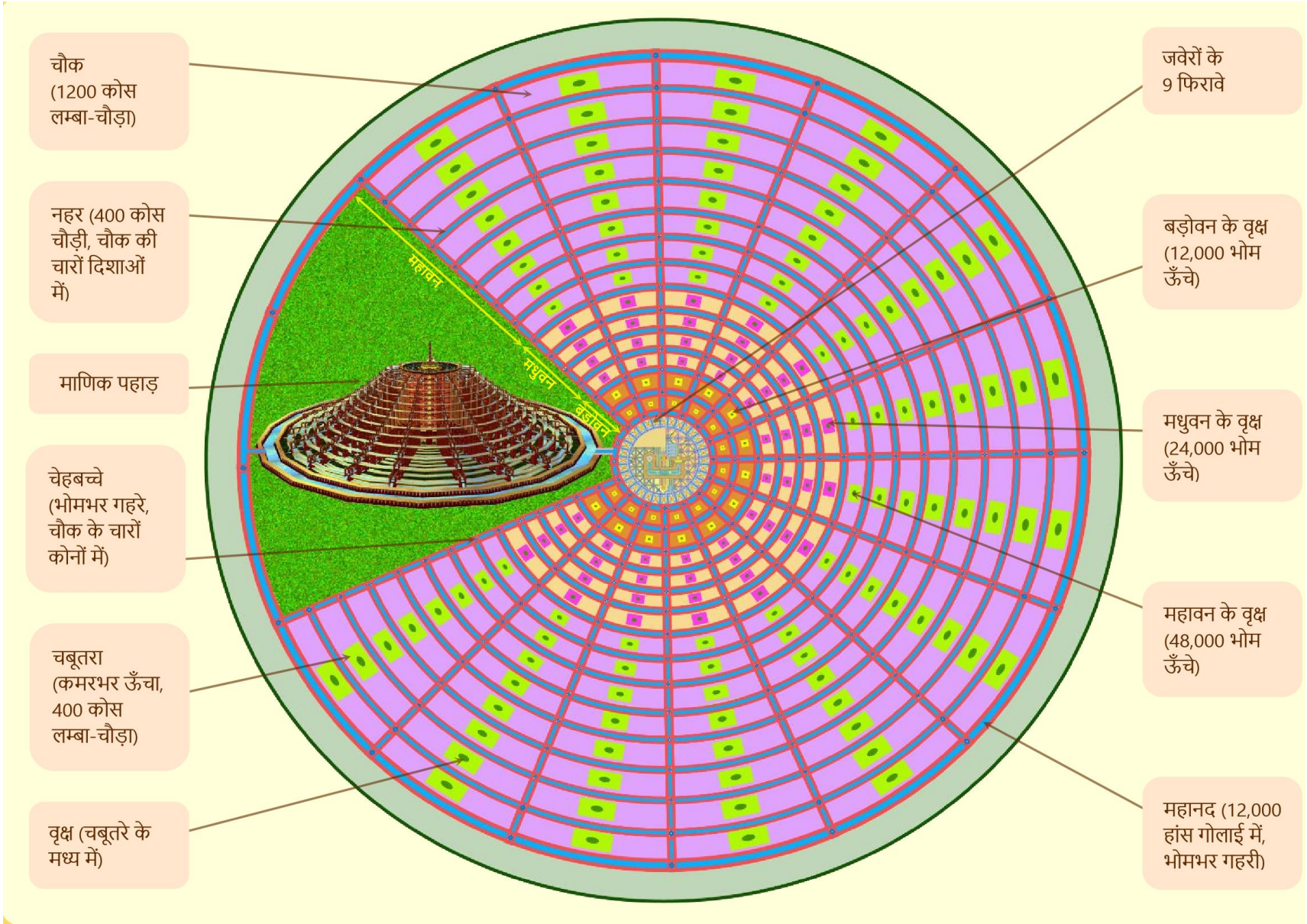

वन की नहरें & बड़ो वन, मधु वन महा वन एवं वन की नहरें के चोक के शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

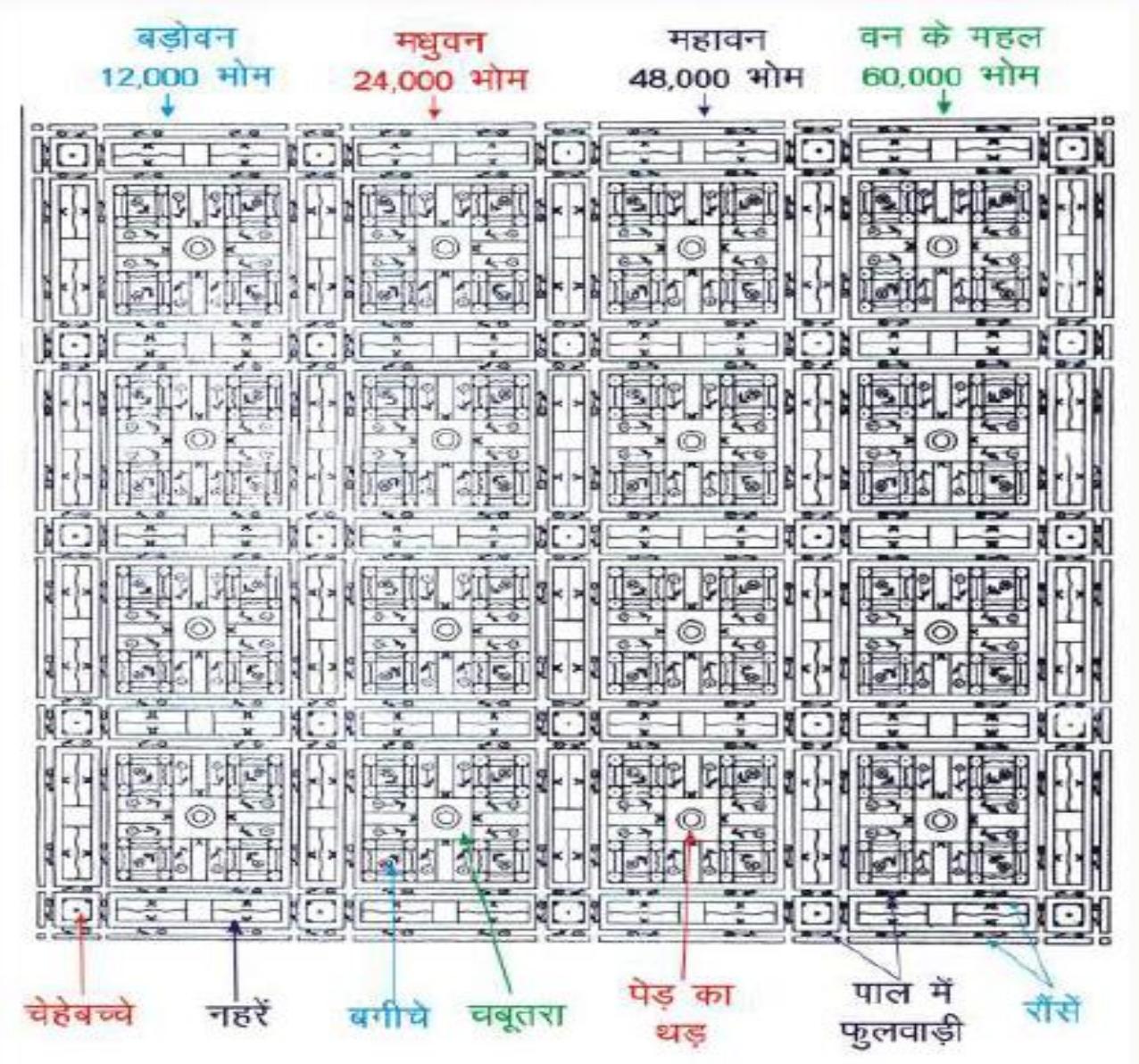

वन की नहरें – चोक के शोभा

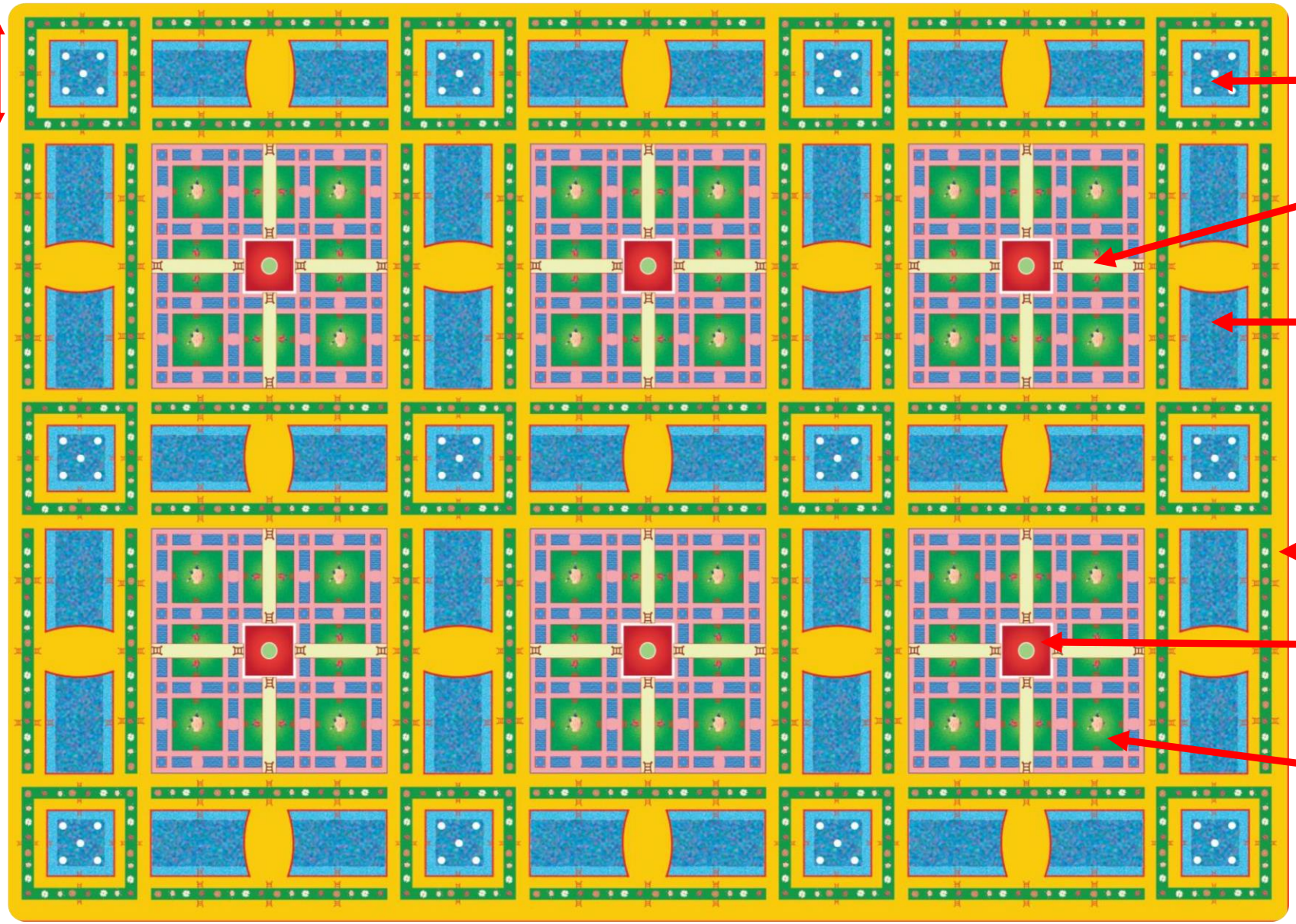

चहबच्चे एवं फव्वारे
प्रत्येक चोंक के चारों कोंनों में

4 रोंस / पाल

बड़ी नहर – 200 कोस
भोम भए गहरी

पाल – 100 कोस चोडी
मध्य में फुलवारी (33 कोस) एवं दाएं बाएं रोंस (33 कोस)

पेड़ – थड़ & हवेली

8 बगीचे , छोंटी नहरें, चहबच्चे
बगीचे में वृक्ष – 1 भोम ऊंचे

वन की नहरें - चोक में नहेर, चहबच्चे, फुवारे & पेड़ (थड़ & हवेली) की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

बन छाया है मोहोल जो , इत मोहोल बने बन के ।
जानो सोभा सबसे अतंत है, सब सुख लेती रूहें ए ।।

इन भोम भोम कई मंदिर, पेड़ डारी कई दीवाल।
छाया बनी पात फूल की, कई बन मंदिर इन हाल।।

नीचे से एक भोम का केवल थड़ ही आया है।
दरवाजा
जिसमें अन्दर जाने के लिए दरवाजे और ऊपर जाने के लिए सीढ़ियों की शोभा आई है।

चबूतरे के नीचे बगीचों छोटी नहरों चेहेबच्चों पुलों आदि की सारी शोभा आई है

वन की नहरें - पेड़ के हवेली की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

कई फौजे पसुअन की , कई फौजे जानवर । जिमी बन ए लसकर , जिमी बस्ती न कहूँ वीरान ।
जिमी खाली कहुं न पाईए , बसत अर्स लसकर ।। सब आए मुजरा करत हैं , आगूं अर्श सुभान ।।

OR